



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 130]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 18, 2010/वैशाख 28, 1932

No. 130]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 18, 2010/VAISAKHA 28, 1932

लोक सभा

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 मई, 2010

सं. 30/1/सी आई/2010.—लोक सभा के दिनांक 16 अप्रैल, 2010 के समाचार भाग-2 में प्रकाशित निम्नलिखित पैरा को आम सूचना के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है :—

“संख्या 1354

समिति शाखा-एक

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के

अधीन अध्यक्ष के निदेश में संशोधन

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम (तेरहवां संस्करण), के नियम 389 के अनुसरण में अध्यक्ष ने निदेशों में निम्नलिखित संशोधन किए हैं :—

नए निदेश 10ख

1. निदेश 10क के पश्चात्, नया निदेश 10ख जोड़ा जाए, अर्थात् :—

“10ख. प्रश्नों की संख्या की सीमा.—किसी सदस्य को, किसी दिन के लिए, मौखिक तथा लिखित उत्तर दोनों के लिए, कुल मिलाकर, दस से अधिक सूचनाएं देने की अनुमति होगी। किसी सदस्य से, किसी दिन के लिए प्राप्त दस से अधिक सूचनाओं को केवल उसी सत्र की अवधि के दौरान उस मंत्री से संबंधित पश्चात्पूर्वी दिन(नों) के लिए रखे जाएंगे। जो सदस्य पूरे सत्र के लिए सूचनाएं देना चाहते हैं वे अपना परस्पर अधिमान दर्शाते हुए ऐसा कर सकते हैं। यदि ऐसे किसी अधिमान को नहीं दर्शाया जाता है तो प्रतिदिन दस से अधिक प्रश्नों की सूचनाओं पर उनकी प्राप्ति के समय के आधार पर उत्तरपूर्वी दिन(दिनों) के लिए विचार किया जाएगा। तथापि, प्रतिदिन प्रति सदस्य कुल पांच गृहीत प्रश्नों की विद्यमान सीमा जारी रहेगी।”

निदेश 15

2. निदेश 15 का लोप किया जाए।

निदेश 16

3. निदेश 16 में,—

(एक) शब्दों और स्लैश “तारांकित प्रश्न/” के पश्चात् शब्द और स्लैश “अतारांकित प्रश्न/” अंतःस्थापित किए जाएं;

(दो) खण्ड (पांच) का लोप किया जाए; और

(तीन) पार्श्व शीर्षक में, शब्द और स्लैश “तारांकित/ अल्प सूचना” का लोप किया जाए।

निदेश 16क

4. निदेश 16क का लोप किया जाए।

निदेश 17

5. निदेश 17 के खण्ड (1) में,—

(एक) शब्द और स्लैश “तारांकित/” के पश्चात् शब्द और स्लैश “अतारांकित/”; और

(दो) “अल्पसूचना प्रश्न” शब्दों के पश्चात् “या पूरक प्रश्न” शब्द अंतःस्थापित किए जाएं।

निदेश 18

6. निदेश 18 में,—

(एक) “ऐसे प्रश्न का लिखित उत्तर सभा पटल पर रखवा देगा” शब्दों के स्थान पर “यह निदेश दे सकेगा/सकेगी कि इसका उत्तर दिया जाए” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं; और

(दो) परंतुक का लोप किया जाए।

[टिप्पणी : उपर्युक्त निदेशों में किए गए संशोधन पंद्रहवां लोक सभा के पांचवें सत्र के लिए आमंत्रण जारी करने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।]

पी. डी. टी. आचारी, महासचिव

